



बुलंदशहर के ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं का यू.पी.आई. द्वारा भुगतान प्रणाली के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन

1. SANYOGITA CHANDRA
RESEARCH SCHOLAR
DEPARTMENT OF COMMERCE
I.P. (P.G.) COLLEGE, BULANDSHAHR
2. DR. ARVIND KUMAR
ASSISTANT PROFESSOR
DEPARTMENT OF COMMERCE
I.P. (P.G.) COLLEGE, BULANDSHAHR

सार

भारत में डिजिटल भुगतान प्रणाली में पिछले कुछ वर्षों में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है। इस क्रांति में सबसे महत्वपूर्ण योगदान यूनिकाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का रहा है। यूपीआई एक रीयल-टाइम भुगतान प्रणाली है, जो मोबाइल उपकरणों के माध्यम से बैंकों के बीच तत्काल फंड ट्रांसफर की सुविधा प्रदान करती है। यूपीआई के माध्यम से फंड ट्रांसफर तुरंत होता है, जिससे यह व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए सुविधाजनक है। यूपीआई पूरी तरह से मोबाइल-आधारित प्रणाली है, जिससे यह स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं के लिए सुलभ है। यूपीआई लेनदेन को सुरक्षित बनाने के लिए कई सुरक्षा उपायों का उपयोग करता है, जैसे कि दो-कारक प्रमाणीकरण और वर्चुअल भुगतान पता। यूपीआई का उपयोग विभिन्न प्रकार के भुगतानों के लिए किया जा सकता है, जैसे कि पीयर-टू-पीयर ट्रांसफर, ऑनलाइन खरीदारी, बिल भुगतान, और व्यापारियों को भुगतान। यूपीआई को नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा विकसित किया गया है, जो भारत में खुदरा भुगतान प्रणाली का संचालन करता है। यूपीआई को 2016 में लॉन्च किया गया था, और तब से यह भारत में सबसे लोकप्रिय भुगतान प्रणालियों में से एक बन गया है।

मुख्य शब्द:

ग्रामीण, उपभोक्ता, यू.पी.आई., भुगतान, प्रणाली

भूमिका

आजकल, भारत में डिजिटल भुगतान का चलन तेजी से बढ़ रहा है, और इसमें यूपीआई का महत्वपूर्ण योगदान है। यूपीआई एक ऐसा सिस्टम है जो आपको अपने मोबाइल फोन के माध्यम से तुरंत और सुरक्षित भुगतान करने की सुविधा प्रदान करता है। इसकी विशेषताओं ने इसे देश में डिजिटल लेनदेन का पर्याय बना दिया है।

यूपीआई की सबसे बड़ी विशेषता इसकी तत्काल भुगतान क्षमता है। आप किसी भी समय, किसी भी दिन, चाहे रात हो या दिन, यूपीआई के माध्यम से तुरंत पैसे भेज सकते हैं। यह सुविधा इसे पारंपरिक बैंकिंग सिस्टम से अलग बनाती है, जहाँ लेनदेन में समय लगता है।

दूसरी महत्वपूर्ण विशेषता सरलता और सुगमता है। यूपीआई का उपयोग करना बेहद आसान है। आपको बस एक स्मार्टफोन, एक बैंक खाता और एक यूपीआई ऐप की आवश्यकता होती है। आप अपने वर्चुअल पेमेंट एड्रेस या QR कोड का उपयोग करके आसानी से भुगतान कर सकते हैं।

सुरक्षा यूपीआई की एक और महत्वपूर्ण विशेषता है। यह विभिन्न सुरक्षा स्तरों के साथ आता है, जैसे कि बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और पिन-आधारित प्रमाणीकरण, जो आपके लेनदेन को सुरक्षित रखते हैं। इसके अलावा, यूपीआई लेनदेन आपके बैंक खाते से सीधे जुड़े होते हैं, जिससे धोखाधड़ी का खतरा कम होता है।

यूपीआई की बहुमुखी प्रतिभा भी उल्लेखनीय है। यह विभिन्न बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ काम करता है, जिससे उपयोगकर्ताओं को अपने पसंदीदा बैंक खाते का उपयोग करके भुगतान करने की सुविधा मिलती है। इसके अलावा, यूपीआई विभिन्न प्लेटफार्मों पर उपलब्ध है, जैसे कि मोबाइल ऐप, वेबसाइट और यहां तक कि USSD कोड के माध्यम से भी इसका उपयोग किया जा सकता है।

यूपीआई की एक और बड़ी विशेषता निःशुल्क लेनदेन है। अधिकांश यूपीआई लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं लगता है, जो इसे नकदी लेनदेन की तुलना में अधिक किफायती बनाता है। यह विशेषता छोटे व्यापारियों और व्यक्तियों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है।

यूपीआई ने डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने देश में कैशलेस अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया है और डिजिटल लेनदेन को सुलभ और सुविधाजनक बनाया है। इसकी विशेषताओं के कारण, यूपीआई न केवल शहरी क्षेत्रों में लोकप्रिय हो रहा है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसकी पहुंच बढ़ रही है।

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) भारत में डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में एक क्रांति लेकर आया है। इसने न केवल भुगतान प्रक्रिया को सरल और तेज बनाया है, बल्कि इसने देश में कैशलेस अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यूपीआई उपयोगकर्ताओं को किसी भी समय, कहीं भी भुगतान करने की सुविधा प्रदान करता है। यूपीआई लेनदेन को सुरक्षित बनाने के लिए कई सुरक्षा उपायों का उपयोग करता है। यूपीआई लेनदेन आम तौर

पर मुफ्त या बहुत कम लागत वाले होते हैं। यूपीआई लेनदेन रीयल-टाइम में ट्रैक किए जा सकते हैं, जिससे पारदर्शिता बढ़ती है।

साहित्य की समीक्षा

यूपीआई का उपयोग करने के लिए डिजिटल साक्षरता का स्तर आवश्यक है, जो भारत में कुछ लोगों के लिए एक चुनौती हो सकती है। यूपीआई लेनदेन के लिए इंटरनेट कनेक्टिविटी आवश्यक है, जो भारत में कुछ क्षेत्रों में एक समस्या हो सकती है। यूपीआई लेनदेन साइबर सुरक्षा जोखिमों से ग्रस्त हो सकते हैं, जैसे कि फ़िशिंग और धोखाधड़ी। [1]

यूपीआई भारत में डिजिटल भुगतान प्रणाली का भविष्य है। आने वाले वर्षों में, यूपीआई के और अधिक लोकप्रिय होने की उम्मीद है, क्योंकि अधिक से अधिक लोग डिजिटल भुगतान के लाभों को अपनाते हैं। यूपीआई की सफलता भारत को कैशलेस अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। [2]

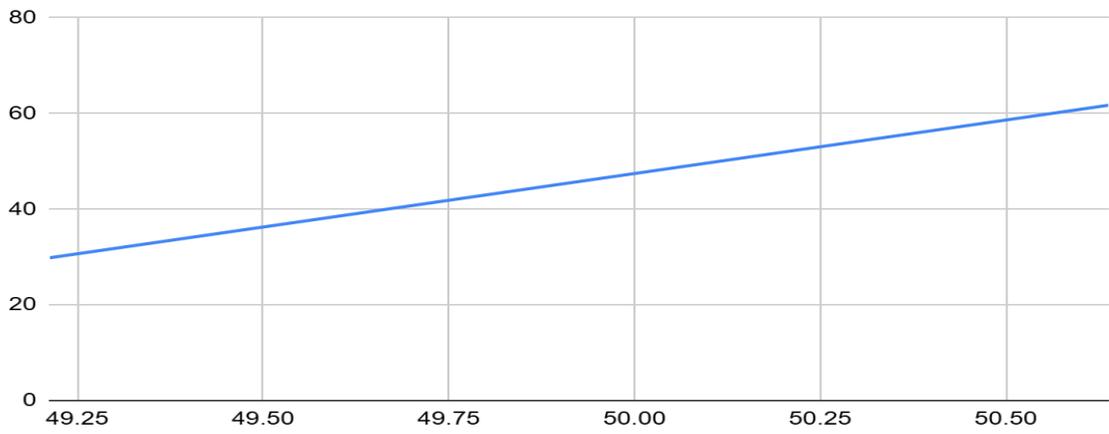
यूपीआई का विकास भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा किया गया है। एनपीसीआई एक गैर-लाभकारी संगठन है जो भारत में खुदरा भुगतान प्रणाली का संचालन करता है। यूपीआई को 2016 में लॉन्च किया गया था और तब से यह भारत में सबसे लोकप्रिय भुगतान प्रणालियों में से एक बन गया है। [3]

यूपीआई की सफलता का श्रेय इसकी कई विशेषताओं को दिया जा सकता है। सबसे पहले, यह भुगतान करने का एक बहुत ही सरल और सुविधाजनक तरीका है। उपयोगकर्ता अपने स्मार्टफोन पर एक ऐप डाउनलोड करके और अपने बैंक खाते को लिंक करके यूपीआई का उपयोग कर सकते हैं। एक बार जब उनका खाता लिंक हो जाता है, तो वे अपने फोन का उपयोग करके किसी को भी पैसे भेज सकते हैं, चाहे वे किसी भी बैंक में हों। [4]

तालिका 1 उच्च, औसत और निम्न समूहों के संबंध में उपभोक्ता स्कोर के साधन और एसडी

समूह	एन	माध्य	एसडी
उच्च एसई	97	49.212	29.82
औसत एसई	243	50.639	61.74
कम एसई	60	49.818	10.379

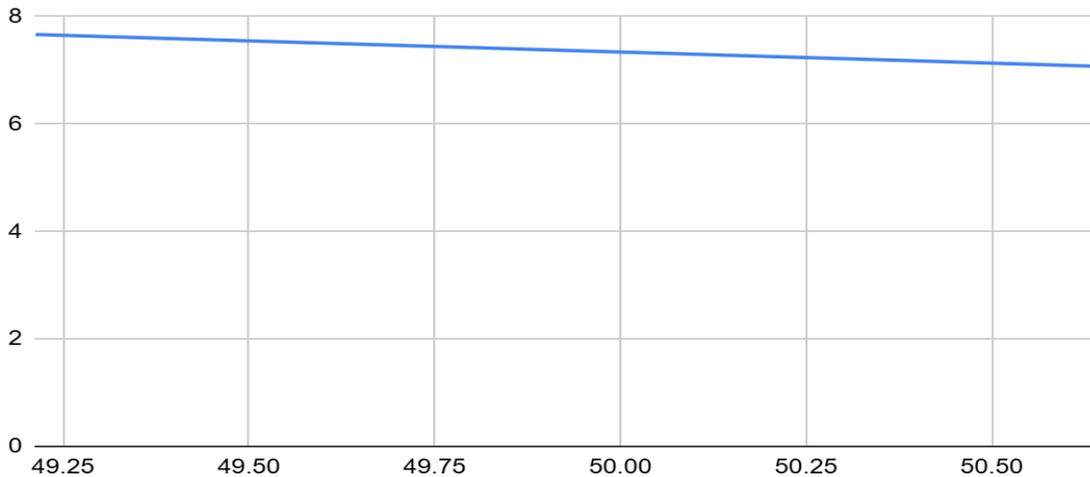
तालिका 1 दर्शाती है कि 0.483 का 'एफ'- अनुपात गैर-महत्वपूर्ण (पी > .05, डीएफ = 2/182) देखा गया था।



तालिका 2 उच्च, औसत और निम्न उपभोक्ताओं की यू.पी.आई. द्वारा भुगतान प्रणाली के संबंध में वन वे एनोवा का सारांश

समूह	एन	माध्य	एसडी
उच्च एसई	97	49.212	7.668
औसत एसई	243	50.639	7.077
कम एसई	60	49.818	10.379

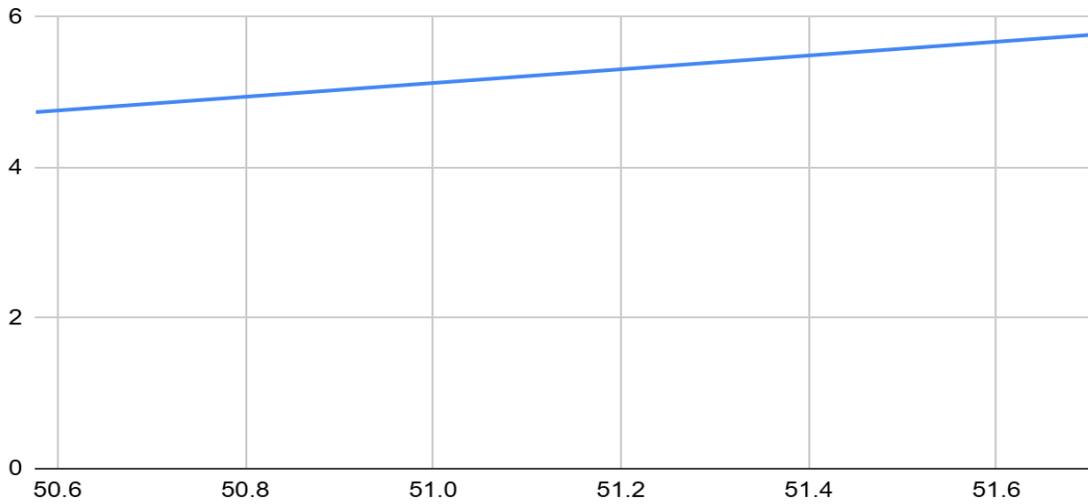
यह तालिका 2 में देखा जा सकता है कि 'एफ'-अनुपात 3.781 महत्व के स्तर पर पहुंच गया (पी < .05, डीएफ = 2/182)। (2.677) का 2^{****} "टी" अनुमान बहुत अधिक निकला (पी < .01, डीएफ=64)। > एम = 59.538)।



तालिका 3 उच्च, औसत और निम्न आत्म-सम्मान समूहों के संबंध में उपभोक्ताओं का दृष्टिकोण और एसडी

समूह	एन	माध्य	एसडी
उच्च एसई	97	50.576	4.737
औसत एसई	243	51.706	5.769
कम एसई	60	53.03	4.680

यह अनुमान लगाने के लिए प्रेरित करता है कि उच्च, सामान्य और निम्न उपभोक्ताओं का यू.पी.आई. द्वारा भुगतान प्रणाली के प्रति दृष्टिकोण के औसत अंकों में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं था।



बुलंदशहर के ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं का यू.पी.आई. द्वारा भुगतान प्रणाली के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन

यूपीआई भुगतान करने का एक बहुत ही तेज़ तरीका है। जैसे आमतौर पर कुछ ही सेकंड में प्राप्तकर्ता के खाते में जमा हो जाते हैं। यह यूपीआई को छोटे लेनदेन के लिए विशेष रूप से उपयोगी बनाता है, जैसे कि दुकानों पर भुगतान करना या दोस्तों और परिवार को पैसे भेजना। यूपीआई भुगतान करने का एक बहुत ही सुरक्षित तरीका है। सभी यूपीआई लेनदेन को दो-कारक प्रमाणीकरण द्वारा सुरक्षित किया जाता है। इसका मतलब है कि उपयोगकर्ताओं को भुगतान करने के लिए दो अलग-अलग तरीकों से अपनी पहचान सत्यापित करनी होगी। इससे यूपीआई को धोखाधड़ी से बचाने में मदद मिलती है।

यूपीआई की लोकप्रियता में पिछले कुछ वर्षों में तेजी से वृद्धि हुई है। 2023 तक, यूपीआई के माध्यम से हर महीने अरबों लेनदेन किए जाते हैं। यह यूपीआई को भारत में सबसे लोकप्रिय भुगतान प्रणालियों में से एक बनाता है। यूपीआई ने भारत में डिजिटल भुगतान क्रांति लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने न केवल भुगतान प्रक्रिया को सरल और तेज बनाया है, बल्कि इसने देश में कैशलेस अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यूपीआई की सफलता से पता चलता है कि भारत में डिजिटल भुगतान का भविष्य उज्ज्वल है।

यूपीआई के विकास ने कई चुनौतियों का भी सामना किया है। सबसे बड़ी चुनौती यूपीआई को देश के सभी हिस्सों तक पहुंचाना है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। इसके अलावा, यूपीआई को धोखाधड़ी से बचाने के लिए और अधिक उपाय करने की आवश्यकता है। यूपीआई भारत में डिजिटल भुगतान का भविष्य है। यह भुगतान करने का एक सरल, तेज़ और सुरक्षित तरीका है, और यह देश में कैशलेस अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आने वाले वर्षों में, हम यूपीआई की लोकप्रियता में और अधिक वृद्धि देखने की उम्मीद कर सकते हैं।

आजकल, भारत में डिजिटल भुगतान का चलन तेज़ी से बढ़ रहा है, और इसमें यूपीआई का बहुत बड़ा योगदान है। यूपीआई एक ऐसा सिस्टम है जो आपको अपने मोबाइल फोन के माध्यम से तुरंत पैसे भेजने और प्राप्त करने की सुविधा देता है। यह न केवल सुरक्षित है, बल्कि यह बहुत ही सुविधाजनक भी है।

यूपीआई का सबसे बड़ा लाभ इसकी सुविधा है। आपको नकद पैसे रखने या बैंक जाने की ज़रूरत नहीं है। आप अपने मोबाइल फोन से कभी भी, कहीं भी, किसी को भी पैसे भेज सकते हैं या उनसे प्राप्त कर सकते हैं। यह सुविधा खासकर उन लोगों के लिए बहुत उपयोगी है जो दूर रहते हैं या जिनके पास बैंक जाने का समय नहीं होता।

यूपीआई भुगतान का एक सुरक्षित तरीका है। इसमें आपके बैंक खाते की जानकारी गोपनीय रहती है और हर लेनदेन के लिए एक ओटीपी की आवश्यकता होती है। इससे धोखाधड़ी का खतरा कम हो जाता है। इसके अलावा, यूपीआई प्लेटफॉर्म विभिन्न सुरक्षा उपायों का उपयोग करते हैं ताकि आपके लेनदेन सुरक्षित रहें।

यूपीआई के माध्यम से पैसे भेजना और प्राप्त करना बहुत तेज़ होता है। लेनदेन लगभग तुरंत हो जाता है, जिससे समय की बचत होती है। यह सुविधा व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए बहुत फायदेमंद है। यूपीआई लेनदेन आमतौर पर मुफ्त या बहुत कम लागत वाले होते हैं। यह नकद लेनदेन की तुलना में बहुत सस्ता है, जिसमें अक्सर छुपे हुए शुल्क शामिल होते हैं। इससे छोटे व्यवसायों और व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं को बहुत लाभ होता है।

यूपीआई भारत में लगभग हर बैंक और वित्तीय संस्थान द्वारा समर्थित है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि अधिकांश लोगों के पास यूपीआई का उपयोग करने की पहुंच है। यह वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में भी मदद करता है, खासकर उन लोगों के लिए जिनके पास बैंक खाते नहीं हैं। यूपीआई का उपयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, जैसे कि बिलों का भुगतान करना, ऑनलाइन खरीदारी करना, टिकट बुक करना, और यहां तक कि दान देना। इसकी बहुमुखी प्रतिभा इसे विभिन्न उपयोगकर्ताओं के लिए उपयोगी बनाती है।

यूपीआई ने सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन को भी सुगम बनाया है। विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत लाभार्थियों को सीधे उनके बैंक खातों में यूपीआई के माध्यम से धनराशि भेजी जा सकती है, जिससे पारदर्शिता और दक्षता बढ़ती है। यूपीआई डिजिटल इंडिया के दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह लोगों को नकदरहित लेनदेन की ओर प्रोत्साहित करता है, जिससे अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ती है।

यूपीआई ने भारत में डिजिटल भुगतान क्रांति ला दी है। इसकी सुविधा, सुरक्षा, गति और कम लागत ने इसे आम लोगों और व्यवसायों के बीच लोकप्रिय बना दिया है। यह न केवल वित्तीय लेनदेन को आसान बनाता है, बल्कि यह डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आने वाले वर्षों में, यूपीआई के और अधिक विकास और नवाचार देखने को मिल सकते हैं, जिससे यह देश की अर्थव्यवस्था का एक अभिन्न अंग बन जाएगा।

यूपीआई ने अपनी स्थापना के बाद से ही तेजी से लोकप्रियता हासिल की है। आज, यह भारत में सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाले डिजिटल भुगतान माध्यमों में से एक है। छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े व्यापारियों तक, हर कोई यूपीआई के माध्यम से भुगतान स्वीकार और भेज रहा है। इसकी लोकप्रियता का मुख्य कारण इसकी सरलता, सुरक्षा और तेज गति है। यूपीआई की सफलता को देखते हुए, कई देश इसमें रुचि दिखा रहे हैं। निकट भविष्य में, हम यूपीआई को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस्तेमाल होते हुए देख सकते हैं। यूपीआई में लगातार नई तकनीकों का समावेश हो रहा है, जैसे कि ब्लॉकचेन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस। इससे इसकी सुरक्षा और दक्षता में और वृद्धि होगी।

यूपीआई में अभी भी कई नई सुविधाओं का विकास हो रहा है, जैसे कि ऑफलाइन भुगतान और आवाज आधारित भुगतान। इससे इसका उपयोग और भी सुविधाजनक हो जाएगा। यूपीआई ने वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भविष्य में, यह और भी अधिक लोगों को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने में मदद करेगा।

निष्कर्ष

यूपीआई एक क्रांतिकारी भुगतान प्रणाली है जिसने भारत में डिजिटल भुगतान के तरीके को बदल दिया है। यह उपयोगकर्ताओं को कई लाभ प्रदान करता है, जैसे कि सुविधा, सुरक्षा, और किफायतीता। यूपीआई की सफलता भारत को कैशलेस अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। निष्कर्षतः, यूपीआई एक क्रांतिकारी भुगतान प्रणाली है जिसने भारत में डिजिटल लेनदेन के परिदृश्य को बदल दिया है। इसकी तत्काल भुगतान क्षमता, सरलता, सुरक्षा, बहुमुखी प्रतिभा और निःशुल्क लेनदेन जैसी विशेषताओं ने इसे देश में डिजिटल भुगतान का पर्याय बना दिया है। यूपीआई की लोकप्रियता और पहुंच लगातार बढ़ रही है, और यह भविष्य में भी डिजिटल लेनदेन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

संदर्भ

- <https://www.npci.org.in/what-we-do/upi/product-statistics>
- <https://www.npci.org.in/what-we-do/upi/product-overview>
- <https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=2057013>
- <https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1973082>.